

“जल संसाधन के क्षेत्र में भावी चुनौतियाँ”  
विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी  
16-17 दिसम्बर, 2003, रुड़की (उत्तरांचल)

## मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में पानी रोको अभियान : जन सहयोग एवं परिणाम

रविन्द्र ठाकुर  
मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान  
भोपाल

ए.के. विश्वकर्मा  
मध्य प्रदेश एवं भूमि प्रबंध संस्थान  
भोपाल

### सारांश

मंदसौर जिला मध्यप्रदेश के उत्तर-पश्चिमी अंचल में स्थित है। यह जिला अक्षांश 77°44' पूर्व से 75°54' पूर्व तथा देशांश 23°46' उत्तर से 24°45' उत्तर के बीच स्थित है। जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 551700 हैक्टेयर है तथा यह पांच तहसील एवं पांच विकास खण्डों में विभाजित है। जिले में कुल 940 ग्राम हैं।

मंदसौर जिले की जलवायु ग्रीष्म ऋतु में उष्ण व नम एवं शीत ऋतु में शुष्क है। जिले की औसत वर्षा 818.40 मि.मी. आंकी गयी है। मंदसौर जिला प्रदेश के “मालवा का पठार” कृषि जलवायुवीय क्षेत्र के अन्तर्गत है। मालवा पठार की मुख्य नदियां चम्बल व पार्वती हैं एवं इसकी सहायक नदियां काली सिंध, क्षिप्रा, शिवना, गंधीर, अजनार, दूधी, नेवज तथा छापी हैं। इस पठार की समुद्र सतह से ऊंचाई 450 से 675 मीटर है। मंदसौर जिला प्रमुखतः तीन समूहों की चट्टानों से आच्छादित है, जिसमें क्रमशः आर्कियन धाड़वाड़ तथा डेक्कन ट्रेप-लावा प्रवाह है। जिले में मुख्यतः विन्ध्यन, डेक्कन, ट्रेप, शैल तथा शिष्ट की चट्टानें हैं। जिले में एक लाख आठ हजार ट्यूबवेल हैं।

विगत तीन वर्षों में अनियमित वर्षा के कारण फसल उत्पादन में कमी एवं पेयजल की गंभीर समस्या का आक्रमण हुआ है। सूखे की समस्या से निपटने के लिए जिले में सर्वप्रथम 10 जून 1999 को मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में मालवा जल सम्मेलन का आयोजन मंदसौर जिले में किया गया। 12 जनवरी 2000 को भूजल संवर्धन लोक अभियान प्रारम्भ किया गया। इस अभियान को 2001 में पानी रोको अभियान के रूप में लागू किया गया। जल समस्या को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश शासन ने प्रदेश व्यापी पानी रोको अभियान 2001-2002 में प्रारम्भ किया। मंदसौर जिले में पानी रोको अभियान के परिणाम एवं उपयोगिता जानने हेतु राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र विकास एवं प्रबंधन मिशन, ग्रामीण विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन ने मूल्यांकन का दायित्व वाल्मी भोपाल के संकाय सदस्यों को सौंपा गया था। मंदसौर जिले में पानी रोको अभियान के तहत जनसहयोग आधार पर किये गये विकास कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन इस शोध पत्र में प्रस्तुत किया गया है।

## 1. पानी रोको अभियान की रूपरेखा :

जिले में अवर्षा से उत्पन्न पानी की भीषण कमी के परिप्रेक्ष्य में सर्वप्रथम स्थानीय समुदाय/समूहों में जल संरक्षण व जल संवर्धन की विभिन्न विधियों/पद्धतियों के प्रति जागरूकता तथा जिम्मेदारी की भावना जाग्रत की गयी थी।

जल संरक्षण व संवर्धन की विभिन्न तकनीकों/विधियों/संरचनाओं को खुद करे पद्धति के आधार पर एकशन प्लान तैयार किया गया था। मंदसौर जिले में पानी रोको अभियान 2001 के तहत ग्रामीणों को जल का महत्व, जल की कमी के कारण व भूजल स्तर बढ़ाने के उपायों को सरल तरीकों तथा जल संरचनाओं का निर्माण के विषय में समझाया गया। समुदाय द्वारा स्वयं के निजी संसाधनों द्वारा खुद करे पद्धति द्वारा अपने खेतों तथा ग्रामों में कुआ पुनर्भरण, नलकूप रिचार्ज, सोकता गड्ढा, खेत के चारों ओर नाली, खेतों में पोखर, कच्चे बांध तथा छतों में वर्षा संग्रहण आदि जल संरचनाओं का निर्माण करवाया गया जो कि जनसहयोग के रूप में कार्य था।

खुद करे पद्धति द्वारा अन्य जल संरक्षण व संवर्धन की संरचना जैसे नवीन तालाब निर्माण हेण्ड पम्प रिचार्ज व सार्वजनिक सोकता गड्ढों का स्थल चयन कर निर्माण कार्य कराये गये।

ग्रामों में पहले से मौजूद ऐसी जल संग्रहण व संवर्धन संरचनाओं जैसे तालाब, कुएँ एवं बावड़ी आदि का जीर्णोद्धार/पुनः निर्माण किया गया। तालिका 1 के अनुसार पानी रोको अभियान (फरवरी 2000 से 20 जून 2001) के तहत नये तालाब निर्माण 605, पुराने बावड़ी, कुओं का जीर्णोद्धार 613, नये कुओं का निर्माण 496, पुराने तालाबों की सफाई एवं मरम्मत 15607, खुदे हुये कुओं के रिचार्ज कार्य 34541, ट्यूबवेलों के रिचार्ज कार्य 618, हेण्डपम्प के रिचार्ज कार्य 2701, खेतों में डबरा/डबरी/फार्म पौण्ड के निर्माण कार्य 5920, खेतों की मेड़बंदी कार्य 63189 मीटर पड़त भूमि में कन्दूर ट्रैन्च निर्माण कार्य 155777 मीटर, सोकता गड्ढों का निर्माण 2294, छतीय वर्षा संग्रहण कार्य 177, अन्य विशेष कार्य 26 संपादित किये गये। इन जल संरक्षण/संवर्धन संरचनाओं द्वारा 58908800 क्यूबिक मीटर अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता की व्यवस्था की गयी। उपरोक्त कार्यों से जनसहयोग द्वारा लगभग 4.5 करोड़ रुपये एकत्रित किये गये (तालिका 2)

मंदसौर जिले में किये गये उपरोक्त जल संरक्षण/संवर्धन कार्यों का असर/परिणाम ज्ञात करने हेतु जिले में फसल क्षेत्र, भूजल के आँकड़े एवं जिले में सूखे की स्थिति में आये परिवर्तनों का अध्ययन किया गया।

## 2. मूल्यांकन अध्ययन :

जिले में पानी रोको अभियान के दौरान किये गये जल संरक्षण/संवर्धन कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन करने हेतु निर्धारित मूल्यांकन मापदण्डों के अनुसार मंदसौर जिले के पांच ब्लाकों में से 2 ब्लाकों को मूल्यांकन अध्ययन के लिए चुना गया था। एक ब्लाक में से एक गांव अर्थात जिले में दो ग्रामों को चुना गया था।

## तालिका 1 : पानी रोको अभियान के तहत किये गये कार्यों का ब्यौरा

जिला मंदसौर

क्र.	विकास खण्ड का नाम	पानी रोको अभियान के तहत कराये गये कार्यों का विवरण																			
		नये तालाबों/पोखरों का निर्माण	पुराने तालाबों का सुधार एवं गहरीकरण	नये कुओं का निर्माण	पुराने कुओं का सुधार	नये कुओं का सुधार एवं सफाई एवं जीर्णोद्धार (संख्या)	वर्तमान कुओं का रिवाजिंग (संख्या)	वर्तमान नलकूपों का रिवाजिंग (संख्या)	वर्तमान हेरिण्डणों का रिवाजिंग (संख्या)	खेतों में निरमित डबरी/ड कुण्डी/ मेघ बन्दी (मीटर)	खेतों में निरमित की गई मेघ बन्दी (मीटर)	पडत भूमि पर निरमित कण्डू ट्रेन्च (मीटर)	रिहायशी क्षेत्रों में कण्डू ट्रेन्च (मीटर)	घरों की छतों से पानी इकट्ठा करने हेतु की गई व्यवस्था (संख्या)	कोई अन्य विविध कार्यों का किये गये कार्यों का की गई खुदाई करण एवं सिंचना (संख्या)	विभिन्न संयन्त्रों एवं कार्यों के लिए की गई खुदाई करण एवं सिंचना (संख्या)	अभियान के अन्तर्गत निर्मित अतिरिक्त जल भण्डार क्षमता (घनमीटर)	अभियान के अन्तर्गत इन कार्यों की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अभियान के अन्तर्गत कार्यों पर किया गया जनसहयोग कुल व्यय (रु. की राशि (रु. लाख में)	समी प्रकार से प्राप्त	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	
	1	118	77	55	4103	6528	13	100	72	0	15880	1050	487	150	10	288000	12735000	456.15	218.19	237.86	
	2	38	29	19	1996	9516	44	49	549	0	13430	15000	154	3	3	108000	7280000	269.47	120.29	149.18	
	3	127	82	36	1740	4769	64	167	372	0	22985	7937	449	0	1	360000	9895000	304.3	229.47	74.83	
	4	110	60	170	1749	4937	117	691	210	0	2731	14360	782	21	0	225000	8483000	200.01	166.73	33.28	
	5	33	43	55	1390	484	0	189	78	0	800	2100	148	2	0	161000	2194000	341.26	271.36	69.9	
	योग	426	291	335	10978	26234	238	1196	1281	0	55826	40447	2020	176	14	1142000	40587000	1571.19	1006.04	565.05	
	पूर्व वर्ष	179	322	161	4629	8307	380	1506	4639	0	7313	115330	274	1	12	1251611	18321800	978.47	397.09	430.39	
	कुल	605	613	496	15607	34541	618	2702	5920	0	63139	155777	2294	177	26	2393611	58908800	2549.66	1403.13	995.44	

## तालिका 2 : मंदसौर जिले के विभिन्न योजनाओं के वित्तीय विवरण

स.क्र.	जनपद पंचायत का नाम	जे.जी.एस. वाय.	मूलभूत	10वाँ वित्तीय	11वाँ वित्तीय	ई.ए.एस.	यूनीसेफ	एम.पी./ एम.एल.ए./ जन भागीदारी	राहत	जनसहभागिता	कुल
1.	मंदसौर	6.00	3.60	22.85	12.25	5.00	45.18	3.00	40.00	152.00	290.18
2.	सीतामऊ	5.00	4.00	24.50	7.85	8.30	23.89	3.00	68.96	124.00	269.50
3.	गरोठ	7.50	8.50	22.35	13.40	15.00	17.00	2.50	22.27	88.05	196.57
4.	भानपुरा	4.75	4.50	18.50	7.30	5.90	14.40	2.00	12.00	34.31	103.56
5.	माल्हारगढ़	8.00	7.42	20.20	20.31	2.50	12.50	2.75	13.20	59.25	146.13
	कुल	31.25	28.02	108.40	61.41	36.70	112.97	13.25	156.43	457.61	1006.04

मूल्यांकन अध्ययन हेतु इन ग्रामों को चुनने के लिए आधार यह था कि इन ग्रामों में अधिक से अधिक कार्य, अधिक व्यय राशि अधिक जन सहयोग (श्रम/धन/सामग्री) अधिक सूखे की स्थिति हो एवं कम से कम ग्राम जलग्रहण क्षेत्र विकास कार्यक्रम के बाहर का होना चाहिए था।

मूल्यांकन अध्ययन हेतु चयनित गांवों में निम्नलिखित कार्यों को भौतिक आधार पर निरीक्षण/सत्यापन किया गया था। नये तालाब निर्माण, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार वाले पुराने तालाब, नये खोदे गये कुएँ, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार किये गये पुराने कुएँ, जल संवर्धन वाले कुएँ एवं नलकूप डबरा/डबरी व फार्म पौण्ड निर्माण, कुईया/कुण्डी निर्माण, खेत बंधान एवं समोच्य खंतिया कार्य।

मूल्यांकन अध्ययन में निम्नलिखित सूचकों को ध्यान में रखा गया था। जैसे कार्यों की प्रगति, कार्यों की गुणवत्ता, कार्यों को सम्पादन कराने की पद्धति, कार्यों के दर का आधार, संरचनाओं के स्थल चयन/सम्पादन करने में उत्तम तकनीकों का उपयोग, खर्च की गयी राशि, सूखे की समस्या, जनसहयोग श्रम, धन एवं सामग्री के रूप में, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी, सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोत्तरी, फसल उत्पादन में बदलाव, भूजल स्तर में बदलाव, जल उपलब्धता का समय व पम्पिंग घण्टें।

कृषि, जल व आनावारी से सम्बन्धित आंकड़ों को दो प्रकार से प्राप्त किया गया था :

### 2.1 द्वितीयक आंकड़े :

पानी रोको अभियान के द्वितीयक आंकड़ों को जिल एवं ब्लॉक स्तर पर एकत्रित किया गया। इनमें वित्तीय व भौतिक कार्यों के द्वितीयक आंकड़े थे।

### 2.2 ग्राम स्तर पर जानकारी :

उपरोक्तानुसार मूल्यांकन हेतु चयन किये गये ग्रामों के पटवारी, सरपंच एवं अन्य मैदानी अमले द्वारा एकत्रित किये गये मैदानी आंकड़ों को प्राप्त किया गया था।

जिला ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर उपरोक्त विधियो/पद्धतियों द्वारा एकत्रित किये गये जल संरक्षण/संवर्धन कार्यों के आंकड़ों का व्याख्यात्मक विश्लेषण निष्कर्ष निकाले गये है।

### 3. पानी रोको अभियान : परिणाम एवं निष्कर्ष :

पानी रोको अभियान के मूल्यांकन मापदण्डोंनुसार मंदासोर जिले के निम्नलिखित ग्रामों में मूल्यांकन अध्ययन किया गया :

- (1) ग्राम भागौर ब्लाक सीतामऊ
- (2) ग्राम बरूजना ब्लाक मल्हारगढ़
- (3) ग्राम साखतली ब्लाक सीतामऊ
- (4) ग्राम नंदावता ब्लाक मंदसौर
- (5) ग्राम बानी ब्लाक मंदसौर

उपरोक्त पांच ग्रामों में से ग्राम भागौर जलग्रहण क्षेत्र योजना के अन्तर्गत तथा अन्य 4 ग्राम पानी रोको अभियान के तहत किये गये कार्यों के लिए थे। इन गांवों के विस्तृत अध्ययन एवं जिला पंचायत मंदसौर से प्राप्त जानकारीनुसार पानी रोको अभियान का प्रभाव निम्नानुसार दृष्टिगोचर होता है।

#### 4. कृषि एवं सूखे पर प्रभाव :

मंदसौर जिले में 3.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ व 2.30 लाख हेक्टेयर में रबी फसल ली जाती है। रबी अन्तर्गत सिंचित रकबे में से मात्र 3 प्रतिशत में ही नहरों से सिंचाई होती है जबकि शेष 97 प्रतिशत रकबे में निजी कूपों, नलकूपों व सामुदायित तालाब जैसे सतही जल स्रोतों से सिंचाई होती है। अतः जिले के परिप्रेक्ष्य में तालाब पोखर आदि के माध्यम से सतही जल का संग्रहण तथा रिचार्ज तकनीक से कुओं व नलकूपों का पुर्नभरण विशेष महत्व रखता है।

विगत कुछ वर्षों की वर्षा के अध्ययन से यह तथ्य उभर कर सामने आया है कि माह जून जुलाई में औसत या अधिक वर्षा होने लगी है जबकि माह अगस्त, सितम्बर व अक्टूबर में औसत वर्षा की मात्रा 30 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक रहने लगी है (तालिका 3)। इस कारण खरीफ सिंचाई हेतु इसी सतही जल को उपयोग में लिया जाने लगा है जो विगत वर्षों में सामान्यतया रबी सिंचाई हेतु सुरक्षित रखा जाता था।

तालिका 4 से स्पष्ट होता है कि कम व अनियमित वर्षा के बावजूद खरीफ का रकबा विशेष प्रभावित नहीं हुआ है। जबकि रबी का रकबा वर्ष 99-2000 में 59,374 हेक्टेयर की तुलना में वर्ष 2000-2001 में 99,176 हेक्टेयर रहा है। इसी तरह तालिका 5 से इंगित होता है कि जहां सन 2000 में 621 ग्राम सूखा प्रभावित थे वही सन् 2001 में मात्र 14 ग्राम ही सूखा प्रभावित की श्रेणी में है।

तालिका 3: मंदसौर जिले में माहवार औसतवर्षा अनुसार तुलना

माह	औसत वर्षा	वर्षवार हुई औसत वर्षा		
		1999-2000	2000-2001	2001-2002
जून	94.70	88.90	32.20	173.40
जुलाई	260.30	486.90	347.70	433.10
अगस्त	239.80	71.40	66.70	145.50
सितम्बर	111.00	201.80	30.60	11.00
अक्टूबर	22.70	56.70	1.20	7.10

तालिका 4 : मंदसौर जिले में खरीफ एवं रबी फसलों का क्षेत्र

स.क्र.	वर्ष	रेनफाल (मि.मी.)	खरीफ क्षेत्र (हे.)	रबी क्षेत्र (हे.)
1	1998-99	763.56	3,45,353	2,36,130
2	1999-2000	957.98	3,47,547	59,374
3	2000-2001	514.80	3,09,871	99,176
4	2001-2002	770.23	—	—
			3,50,000	2,30,000

तालिका 5 : औसत आधार पर अनावारी गांवों का वर्गीकरण (मंदसौर)

स. क.	तहसील	कुल गांवों की संख्या	औसत आधार पर अनावारी के गांवों का वर्गीकरण															
			0 से 25 पैसे				26 से 37 पैसे				38 से 50 पैसे				50 पैसे से अधिक			
			1999	2000	2001	1999	2000	2001	1999	2000	2001	1999	2000	2001	1999	2000	2001	
1	मंदसौर	225	—	10 (404)	0 (591)	—	115 (404)	14 (591)	—	72 (404)	112 (591)	—	—	—	28 (404)	99 (591)		
2	सीतामऊ	243	—	7 (388.3)	0 (562.7)	—	158 (388.3)	0 (562.7)	—	69 (388.3)	0 (562.7)	—	—	9 (388.3)	67 (562.7)			
3	गरोठ	204	—	18 (671)	0 (1023)	—	142 (671)	0 (1023)	—	44 (671)	0 (1023)	—	—	0 (671)	204 (1023)			
4	भानपुरा	95	—	0 (649.4)	0 (927.4)	—	56 (649.4)	0 (927.4)	—	36 (649.4)	0 (927.4)	—	—	0 (649.4)	92 (927.4)			
5	मल्हारगढ़	172	—	1 (491.6)	0 (869.8)	—	114 (491.6)	0 (869.8)	—	57 (491.6)	0 (869.8)	—	—	0 (491.6)	55 (869.8)			
<b>कुल</b>			—	36	0	—	585	14	—	278	14	—	—	37	517			
<b>वार्षिक रेनफाल (मि.मी.)</b>			957.98	514.80	770.23	957.98	514.80	770.23	957.98	514.80	770.23	957.98	514.80	514.80	770.23	770.23		

जिलों की औसत वर्षा (मि.मी.) - 818.40  
कोष्ठक में विकासखण्डों की औसत वर्षा दर्शाई गई है।

## 5. भूजल स्तर :

मंदसौर जिले का ब्लाक स्तर पर भूजल स्तर का विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि जिले के भानपुरा, गरोठ एवं मल्हारगढ़ ब्लाक में सामान्य वर्षा (वर्ष 2001-2002) रहने के बावजूद भी भूजल स्तर में वृद्धि देखी गयी। तालिका 6 में भूजल स्तर की जानकारी प्रस्तुत की गयी है, जिससे स्पष्ट होता है कि पानी रोको अभियान के दौरान किये गये जल संवर्धन एवं संरक्षण कार्यों सूखे एवं अवर्षा की दशा में भूजल स्तर में आ रही गिरावट को रोकने में प्रभावी भूमिका अदा की है। विगत 12 वर्षों में मंदसौर जिले के विभिन्न विकास खण्डों में भूजल स्तर के उतार चढ़ाव को चित्र 1 एवं 2 में दर्शाया गया है, इंगित करता है कि वर्ष 1999 उपरान्त किये गये जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के कारण जो भूजल स्तर तेजी से कम हो रहा था उसमें काफी हद तक न सिर्फ ठहराव आया है अपितु वर्षा उपरान्त भानपुर, गरोठ एवं सीतामऊ विकासखण्डों के भूजल स्तर में वृद्धि भी आंकी गयी है। यहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि जिले में अधिकांश रकबे की सिंचाई मुख्यतया नलकूपों एवं निजी कुओं से की जाती है।

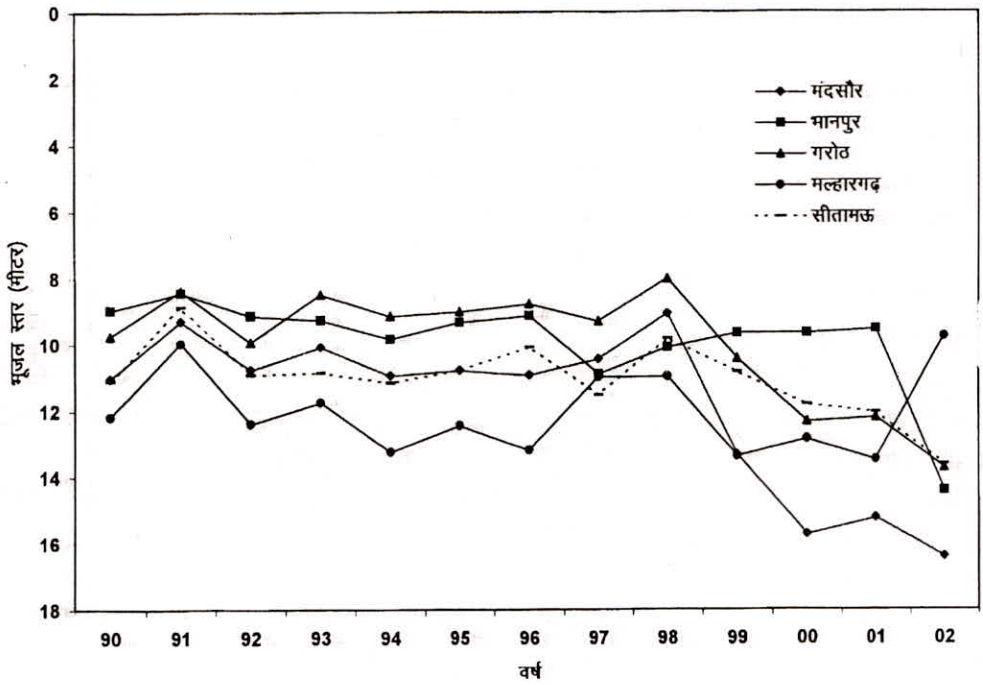
इसी तरह जिले के हैण्डपम्पों में जल की उपलब्धता तालिका 7 दर्शायी गयी है, जिसके अनुसार मंदसौर जिले के पांचों ब्लाकों में वर्ष 2001 में 1982 हैण्डपम्प सूखे थे लेकिन पानी रोको

तालिका 6 : मंदसौर जिले के भूजल स्तर में घट बढ़ की स्थिति

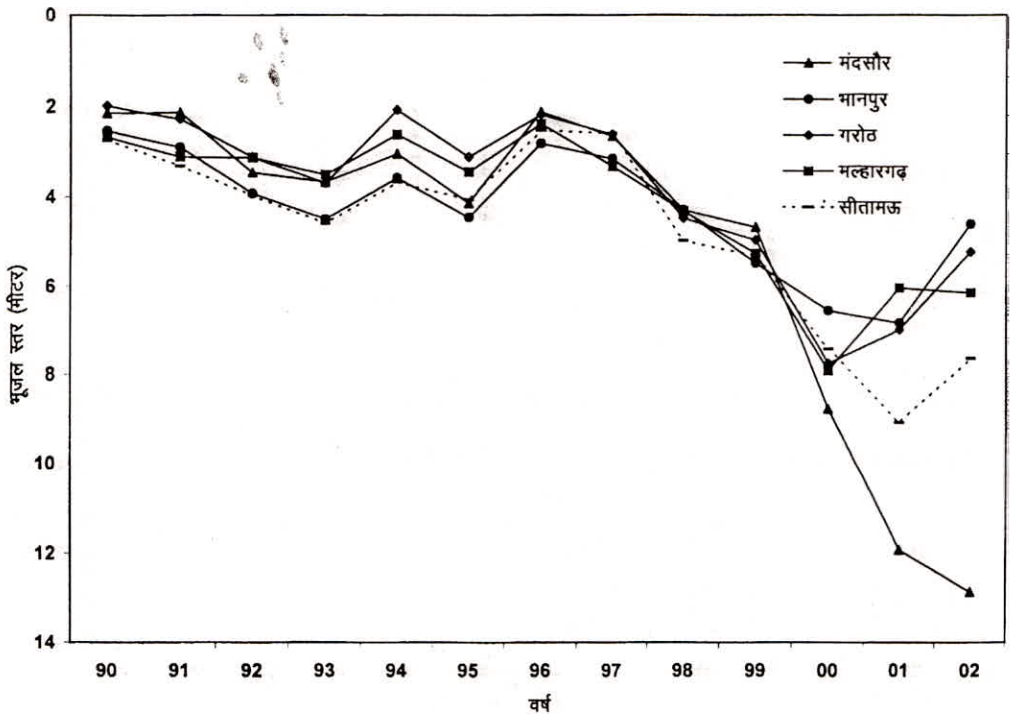
क्र.	ब्लॉक	नार्मल रेनफाल	रेनफाल 2000 (मि.मी.)	भूजल स्तर अगस्त 2000	रेनफाल. 2001 (मि.मी.)	भूजल स्तर अगस्त 2001
1.	मंदसौर	818.4	388.0	9.01	59.10	11.61
2.	सीतामऊ	818.4	350.0	5.32	562.7	6.0
3.	गरोठ	818.4	485.6	6.07	869.8	4.02
4.	भानपुरा	818.4	595.2	6.16	1023.0	3.42
5.	मल्हारगढ़	818.4	568.2	5.08	927.4	4.44
औसत		818.4	477.4	6.328	794.78	5.898

तालिका 7 : विकास खण्ड स्तर पर मंदसौर जिले में हैण्डपम्पों की स्थिति

विकासखण्ड	हैण्डपंपों की स्थिति			
	वर्ष 2001		वर्ष 2002	
	चालू	सूखे	चालू	सूखे
मंदसौर	562	500	778	401
सीतामऊ	583	389	793	280
गरोठ	496	201	657	152
भानपुरा	555	40	640	14
मल्हारगढ़	316	352	404	299
	2512	1482	3272	1146



चित्र 1 : मंदसौर जिले की विभिन्न तहसीलों में वर्षा से पूर्व भूजल स्तर (1999-2000)



चित्र 2 : मंदसौर जिले की विभिन्न तहसीलों में वर्षा से पूर्व भूजल स्तर (1999-2000)



अभियान के कार्यों से वर्ष 2002 में इनकी संख्या कम होकर 1146 रह गयी है। इसी प्रकार वर्ष 2001 में चालू हैण्डपम्पों की संख्या 2512 से बढ़कर वर्ष 2002 में 3272 तक पहुंच गयी थी।

#### 6. ग्राम साखतली तहसील सीतामऊ की सफलता की कहानी :

ग्राम साखतली सीतामऊ तहसील में मंदसौर से 3.5 कि.मी. दूर स्थित है। गांव का कुल क्षेत्रफल 413.08 हेक्टेयर है। 363.01 हेक्टेयर क्षेत्र खेती योग्य है। ग्राम स्तर पर प्राप्त की गयी जानकारीनुसार ग्राम साखतली विगत कई वर्षों से सूखे की चपेट में था एवं कुओं का जल स्तर तीव्रता से घटता जा रहा था।

ग्राम की सूखे की विकरालता की मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा कुओं रिचार्ज हेतु ग्रामवासियों प्रेरित किया ताकि गिरते हुये भूजल स्तर में सुधार लाया जा सके। प्रारम्भ में ग्रामवासियों द्वारा इस प्रयास के प्रति अधिक रूचि नहीं दिखायी गयी एवं सिर्फ 10 ग्रामवासियों द्वारा ही अपने कुओं को रिचार्ज करने का प्रयत्न किया गया। इन प्रयत्नों के परिणाम तालिका 8 में वर्णित किया गया है। जिससे स्पष्ट है कि रिचार्ज किये गये कुओं में न केवल आवक क्षमता बढ़ी है, वरन् सिंचाई क्षेत्रफल में भी वृद्धि हुई है। बिना रिचार्ज कुओं की तुलना में रिचार्ज कुओं में 2 से 10 गुना अधिक पानी एवं 4 से 15 गुना अधिक क्षेत्र में रबी की बुआई सम्भव हो पायी है।

सफलता के इन परिणामों को देखते हुए वर्ष 2001 में समस्त ग्रामवासियों द्वारा जनसहभागिता के आधार पर गांव के समस्त कुओं में रिचार्ज तकनीक अपनाई गयी। इसके अलावा ग्राम की पहाड़ियों के पास 135 स्टेजर्ड खंतिया निर्माण 8 हैण्डपम्प रिचार्ज व 2 ट्यूबवेल रिचार्ज कार्य तथा एक फतेहगढ़ सागर तालाब का निर्माण भी करवाया गया।

तालिका 9 के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि साखतली गांव का बुआई एवं सिंचाई क्षेत्र 1999-2000 की तुलना में 2001-2002 में वृद्धि आंकी गयी है।

उपरोक्त आशानुकूल परिणामों ने साखतली ग्रामवासियों में जल के महत्व के प्रति एक अद्भुत जाग्रति पैदा की है एवं गांववासी जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को मजबूती प्रदान करने हेतु अग्रसर है।

उपरोक्त आशानुकूल परिणामों ने साखतली ग्रामवासियों में जल के महत्व के प्रति एक अद्भुत जाग्रति पैदा की है एवं गांववासी जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को मजबूती प्रदान करने हेतु अग्रसर है।

तालिका 9 : साखतली गांव का बुआई एवं सिंचाई क्षेत्र

स.क.	वर्ष	विकासखण्ड का रेनफाल	बुआई क्षेत्र (हे.)			सिंचित क्षेत्र (हे.)		
			खरीफ	रबी	कुल	खरीफ	रबी	कुल
1	1999-2000	905.6	348	176	524	16	176	192
2	2000-2001	388.4	334	41	375	130	41	171
3	2001-2002	571.5	331	66	397	156	66	222

तालिका 8 : कुआं रिचार्ज के परिणाम का तुलनात्मक पत्रक, ग्राम साखतली सीतामऊ, जिला मंडसौर

अ. रिचार्ज किये गये कुओं की स्थिति								
क्र.	रिचार्ज कुएं के कृषक का नाम	कुएं की कुल गहराई मीटर	सतह से जल स्तर	पुनर्भरण	सिंचित क्षेत्रफल	सिंचित क्षेत्र की फसलें	पशुओं हेतु पीने का पानी उपलब्ध है संख्या	विद्युत पंप चलने के घंटे
1	रिचार्ज कुओं की स्थिति श्री दशरथ पाटीदार (2 हे. सोयाबीन सिंचाई)	17.06 मी.	14.60 मी.	3.00 मी.	2.00 हे.	1.00 हे. संतरा, असालीया, इसबगोल 0.60 हे. असालीया 0.20 हे. अफीम 0.20 हे. बरसीम	50	2 घंटे
2	श्री प्रेम प्रकाश (2 हे. सोयाबीन सिंचाई)	17.06 मी.	14.60 मी.	3.00 मी.	0.60 हे.	1.00 हे. संतरा, असालीया, इसबगोल 0.60 हे. असालीया 0.20 हे. अफीम 0.20 बरसीम	15	2 घंटे
3	श्री रामेश्वर तेली (100 हे. सोयाबीन सिंचाई)	19.00 मी.	18.00 मी.	1.00 मी.	3.00 हे.	0.40 हे. असालीया 0.10 हे. लहसुन 0.60 हे. अफीम, इसबगोल 0.10 हे. बरसीम	-	1 घंटे
4	श्री गिरधारीलाल बालूजी बलाई (200 हे. सोयाबीन सिंचाई)	21.20 मी.	20.00 मी.	1.20 मी.	12.00 हे.	1.50 हे. संतरा, लहसुन, घनिया, इसबगोल 1.20 हे. कलाजी 0.40 हे. अफीम 1.00 हे. गेहूँ	20	0.75 घंटे
5	श्री नन्दलाल पाटीदार (200 हे. सोयाबीन सिंचाई)	27.00 मी.	20.00 मी.	7.00 मी.	5.00 हे.	1.50 हे. संतरा, लहसुन, घनिया, इसबगोल 1.20 हे. कलाजी 0.40 हे. अफीम 1.00 हे. गेहूँ	-	-
ब. रिचार्ज नहीं किये गये कुओं की स्थिति								
क्र.	रिचार्ज कुएं के कृषक का नाम	कुएं की कुल गहराई मीटर	सतह से जल स्तर	पुनर्भरण	सिंचित क्षेत्रफल	सिंचित क्षेत्र की फसलें	पशुओं हेतु पीने का पानी उपलब्ध है संख्या	विद्युत पंप चलने के घंटे
1	श्री गोकुल भगाली	14.60 मी.	14.00 मी.	0.60 मी.	0.15 हे.	0.15 हे. सरसों	-	-
2	श्री जयराम बलाई	14.30 मी.	13.70 मी.	0.60 मी.	0.15 हे.	0.08 हे. सरसों 0.08 हे. सरसों, बरसीम	-	-
3	श्री रामलाल अमरकन्द पाटीदार	19.00 मी.	सूखा कुओं	-	-	खाली खेत	-	-
4	श्री नाथूलाल चतुर्गुज	12.00 मी.	सूखा कुओं	-	-	खाली खेत	-	-
5	श्री पृथ्वीराज भुवानजी पाटीदार	16.00 मी.	सूखा कुओं	-	-	खाली खेत	-	-